1. Acc. No: → 50529. सुन्दर सँगार । सुन्दर कवि कृत ।

2. Acc. No: → 50530. नामदेव जी की परिचई । अनन्तदास कृत ।

3. Acc. No: → 50531. तिलोचन जी की परिचई । अनन्तदास कृत ।

4. Acc. No: → 50532. अंगद जी की परिचई by- अनन्तदास ।

5. Acc. No: → 50533. प्रह्लाद लीला ।

6. Acc. No: → 50534. कबीर के दोहे ।

7. Acc. No: → 50535. शकुनावली ।

8. Acc. No: → 50536. सुखदेव लीला ।

9. Acc. No: → 50537. ध्रुव चरित्र ।

10. Acc. No: → 50538. कलजुग पचीसी

11. Acc. No: → 50529. सुन्दर सँगार । सुन्दर कवि कृत ।

१	धरो हरिप्रश्न	२	उधारो देवकीप्रश्न
१	चित्रांगद	१	राजाहरिश्चंद्र
२	नरघोष	२	सोमकेतु
३	बैस्नुवद्द	३	नरघोष
४	सगरराजा	४	चित्रांगद
५	सोमकेतु	५	रोहिताश्व
६	भागीरथ	६	बैस्नुवद्द
७	राजानरवाहन	७	भागीरथ
८	राजा[illegible]	८	चंद्रहहिराजा
९	राजाहरिचंद्री	९	नरबाहन
१०	हरिश्चंद्र	१०	सगरराजा

स्त्री प्रश्न

३	औषद प्रश्न	४	स्त्री प्रश्न
१	राजा चंद्रहसि	१	रा: सगर
२	वेणवच्छ	२	भागीरथ
३	हरिश्चंद्रः	३	राजा नरवाहन
४	नरवाहनराजा	४	रा. रोहिताश्व
५	रा: सगर	५	रा. चंद्रहसी
६	नरघोष रा०	६	हरिश्चंद्र
७	रा: राजा चित्रांगद	७	रा. वेणवच्छ
८	रा. सोमक्रत	८	रा. नरघोष
९	रा. रोहिताश्व	९	चित्रांगद
१०	रा. भागीरथ	१०	सोमक्रतु

५	वैद्यव्यायबेकीप्रश्न	६	बुरग की प्रश्न
१	बलिनाथ	१	पुलहक्रतु
२	मारीच	२	अग्नी ऋषि
३	वसिष्ट	३	अश्वत्थामा
४	प्रह्लाद	४	अगस्ति
५	अगस्ति	५	प्रह्लाद
६	पुलस्ति	६	बलिनाथ
७	अंगिरा	७	भगवान
८	पुलहक्रतु	८	मरिचि ऋषि
९	भगवान	९	वसिष्ट
१०	अश्वत्थामा	१०	पुलस्ति

७	गाउबशायवेकोप्रश्न	८	घरनैबैठचेकोपश्न
१	अगास्ति	१	प्रहलाद
२	अश्वत्थामा	२	भगवान्
३	प्रह्लाद	३	अंगिरा
४	बलिनाथ	४	पुलहऋतु
५	अंगिरा	५	पुलस्ति
६	पुलहऋतु	६	वसिष्ठ
७	बसिष्ठ	७	बलिनाथ
८	पुलस्तु	८	अश्वत्थामा
९	मारिचि	९	अंगस्ति
१०	भगवान्	१०	मारीचऋषि

०	वसुगदकिप्रश्न	०	उवाकिप्रश्न
१	वसिष्ठ	१	वेणुवछ
२	पुलस्ति	२	राजाशागर
३	बलिनाथ	३	सोमक्रतु
४	मरिच	४	भगीरथ
५	पुलहँहक्रत	५	नरबाहनेराजा
६	भगवान	६	रोहिताश्वराजा
७	अश्वथामा	७	वेद्रहराजा
८	अगस्ति	८	राजाहरिश्चंद्र
९	प्रल्हाद	९	नरघोष
१०	अंगिराः	१०	चित्रांगद

११	पानीकीप्रश्न	१२	गाउचालिवेकीप्रश्न
१	नरघोषराजा	१	सोमकेतु
२	चित्रांगद	२	नरबाहन
३	राजासगर	३	राजाचित्रांगद
४	वे[illegible]णवत्स	४	राजाचंद्रहरि
५	भागीरथ	५	राजाचंद्रहरी
६	सोमकेतु	६	राजासगर
७	रा: रोहिताश्व	७	रा॰ नरघोष
८	रा: नरबाहन	८	रा॰ वेणुवछु
९	हरिश्चंद्र	९	रा॰ भागीरथ
१०	राजाचंद्रहरि	१०	रा॰ रोहिताश्व

१३	परचे की पक्ष	१४	बैरी पक्ष
१	राजा भागीरथ	१	रा॰ रोहितास्व
२	रोहितास्व रा	२	रा॰ हरिश्चंद्र
३	रा॰ चंद्रदह	३	रा॰ भागीरथ
४	रा॰ हरिश्चंद्र	४	रा॰ नरघोष
५	रा॰ चित्रांगद	५	रा॰ बेरणुबत्त
६	रा॰ नरवाहन	६	रा॰ चंद्रदह
७	र॰ सोमक्रतु	७	रा॰ सगर
८	रा॰ सगर	८	रा॰ चित्रांगद
९	रा॰ बेरणुबत्त	९	रा॰ सोमक्रतु
१०	रा॰ नरघोष	१०	रा॰ नरबाहन

अग्नि ऋषि

१

१५	जयकिप्रश्न	१६	घोरालेवेकिप्रश्नता
१	अग्निरिषि	१	अश्वत्थामा
२	पुलहक्रतु	२	अगस्ति
३	अगस्ति	३	पुलहक्रतु
४	अश्वत्थामा	४	अंगिरा
५	बलिनाथ	५	भगवान
६	प्रल्हाद	६	मारीच
७	मारिच	७	पुलस्ति
८	भगवान	८	बशिष्ठ
९	पुलस्ति	९	बलिनाथ
१०	बसिष्ठ	१०	प्रल्हाद

७	खेतीकी प्रश्न	१८	वंदिपरेकि प्रश्न
१	पुलस्ति	१	रा॰ नरवाहन
२	वसिष्ठ	२	रा॰ चंडदाही
३	मारिच	३	रा॰ रोहिताश्व
४	भगवान्	४	रा॰ सोमकेतु
५	अश्वत्थामा	५	रा॰ नरघोष
६	अगस्ति	६	रा॰ चित्रांगर
७	प्रह्लाद	७	रा॰ हरिश्चंद्र
८	अंगिरा	८	रा॰ भागीरथ
९	पुलहक्रतु	९	रा॰ सगर
१०	वलिनाथ	१०	रा॰ बेरगुबदा

१९	चौपायोत्लेवेकी	२०	कामकाजेकीपज्ञ
१	मारिच	११	रावण
२	प्रह्लाद	२	हनूमान
३	भगवान्	३	अंगद
४	पुलस्ति	४	नील
५	वसिष्ट	५	सुग्रीव
६	अंगिरा	६	सुग्रीवं: लछमन
७	अगास्ति	७	जांबवान्
८	बलिनाथ	८	बलि
९	अस्वत्थामा	९	कुंभकरर्ण
१०	पुलहकातु	१०	श्रीरामचंद्र

२१	रोग कि प्रश्न	२२	चिन्ता की प्रश्न
१	भगवान्	१	हनुमान्
२	वलिनाथ	२	रावण
३	पुलस्ति	३	नील
४	वसिष्ठ	४	अंगद
५	मारिच	५	लछमन
६	अस्वत्थामा	६	कुम्भकर्ण
७	पुलहक्रतु	७	रामचन्द्र
८	प्रहलाद	८	सुग्रीव
९	अंगीरा	९	रा॰ वलि
१०	अगस्ति	१०	जामवान्

श्री

२३	घरजावेकीप्र	२४	संप्रायकिप्रश्न
१	अंगद	१	जांबवान्
२	नील	२	अंगद
३	हनमंत	३	रा॰वलि
४	रावण	४	श्रीरामचंद्र
५	कुंभकरण	५	नील
६	रामचंद्र	६	हनुमान्
७	सुग्रिव	७	कुंभकरण
८	जांबवान्	८	रावण
९	लक्ष्मन्	९	सुग्रीव
१०	राजाबली	१०	लछमन

२५	व्यापार की प्रश्न	२६	जात्रा करिवे कि प्रश्न
१	सहस्रार्जुन	१	नल
२	सत्रुघ्न	२	अर्जुन
३	युधिष्ठिर	३	भीमसेन
४	बासुदेव	४	सहदेव
५	भिमसेन	५	शत्रुघ्न
६	अर्जुन	६	गंगेय
७	नकुल	७	सहस्रार्जुन
८	सहदेव	८	राजा जुधष्टर
९	राजा नल	९	बासुदेव
१०	गांगेय	१०	नकुल

२७	राज्यप्राप्तिप्रश्न	२८	बिवाहप्रश्न
१	नकुल	१	भिमसेन
२	गंगेय	२	सहदेव
३	अर्जुन	३	नकुल
४	नल	४	गंगेय
५	सहदेव	५	सहस्त्रार्जुन
६	सत्रुघ्न	६	बासुदेव
७	बासुदेव	७	नल
८	सहस्त्रार्जुन	८	अर्जुन
९	युधिष्ठिर	९	सत्रुघ्न
१०	भीमसेन	१०	राजाजुधिष्ठिर

श्र

१	मित्रकरिवेकीप्र	३	आगमकीप्रश्न
१	श्रीरामचंद्र	१	कुम्भकरण
२	कुम्भकरण	२	रामचंद्र
३	लछमन	३	सुग्रिव
४	सुग्रिव	४	लछमन
५	जांबवान	५	राजावलि
६	राजावलि	६	जाबवान्
७	नील	७	अंगद
८	अंगद	८	नील
९	हनुमान्	९	रावण
१०	रावण	१०	हनुमान्

३१	कष्टनास	३२	नगरकोटप्रश्न
१	लछमन	१	नील
२	सुग्रिव	२	रा॰ वलि
३	कुंभकरण	३	रावण
४	जांबवान	४	हनुमंत
५	रावण	५	रामचंद्र
६	अंगद	६	सुग्रीव
७	राजाबलि	७	लछमन
८	हनुमान	८	कुंभकरण
९	रामचंद्र	९	जांबवान
१०	नील	१०	अंगद

प्र

३३	औरेजाविप्र	३४	धनलाचप्रश्न
१	सुग्रीव	१	राजा·बलि
२	लछमन	२	जांबवान्
३	जांबवान्	३	श्रीरामचंद्र
४	राजाबलि	४	कुंभकर्ण
५	हनुमान्	५	अंगद
६	नील	६	रावण
७	रावण	७	हनुमान्
८	रामचंद्र	८	लछमन्
९	अंगद	९	नील
१०	कुंभकरण	१०	सुग्रीव

३५	बाद बिबाद प्रश्न	३६	संतति प्रश्न
१	वासुदेव	१	गांगेय
२	री॰ जुधिष्टर	२	नकुल
३	रा॰ सहस्रार्जुन	३	सहदेव
४	रा॰ सत्रुघ्न	४	भीमसेन
५	रा॰ गांगेय	५	रा॰ नल
६	नकुल	६	री॰ जुधिष्टर
७	भीमसेन	७	अर्जुन
८	राजानल	८	वासुदेव
९	अर्जुन	९	रा॰ सहस्रार्जुन
१०	सहदेव	१०	शत्रुघ्न

३७	विद्यापाठप्रश्न	३८	अर्थसंपत्तिप्रश्न
१	रा॰ जुधिष्टिर	१	सहदेव
२	वासुदेव	२	भीमसेन
३	सत्रुघ्न	३	नल
४	सहस्त्रार्जुन	४	अर्जुन
५	नकुल	५	जुधिष्टर
६	नल	६	सहस्त्रार्जुन
७	गंगेय	७	सत्रुघ्न
८	भिमसैन	८	गंगेय
९	सहदेव	९	नकुल
१०	अर्जुन	१०	वासुदेव

३९	तिरथजात्राप्रश्न	४०	चोरिकीप्रश्न
१	अर्जुन	१	सत्रुघ्न
२	नल	२	सहस्रार्जुन
३	गांगेय	३	वासुदेव
४	नकुल	४	जुधिष्ठिर
५	वासुदेव	५	अर्जुन
६	सहदेव	६	भीमसैन
७	राजाजुधिष्ठर	७	सहदेव
८	सत्रुघ्न	८	नकुल
९	भीमसेन	९	गांगेय
१०	सहस्रार्जुन	१०	नल

अथोत्तरसूचीपत्रं			
१	चित्रांगद	११	पुलहक्रतु
२	राजानरघोष	१२	अंगिराऋखि
३	बेणुबछ	१३	अश्वत्थामा
४	राजासगर	१४	अगस्ती
५	राजासोमक्रतु	१५	प्रहलाद
६	राजाभागीरथ	१६	बलिनाथ
७	राजानरबाहन	१७	भगवानु
८	रा॰ रोहीताश्व	१८	मारीच
९	चंद्रदह	१९	बसिष्ट
१०	राजाहरिश्चंद्र	२०	पुलस्ति

२१	रामचंद्र	३१	सत्रुघ्न
२२	कुंभकरण	३२	राजासहस्रार्जुन
२३	लछमन	३३	बासुदेव
२४	सुग्रीव	३४	राजायुधिस्टर
२५	जांबवान	३५	अर्जुन
२६	बलि	३६	भीमसेन
२७	नील	३७	सहदेव
२८	अंगद	३८	नकुल
२९	हनुमान	३९	गांगेय
३०	रावण	४०	नल

२ नरबोध २

१	पानी संग्रह है छमा सो आवे
२	धरो हरि पाइये अवस्था के
३	उधार दिये ते संतोष पावेगो
४	बैरी तेडे रहे संसो राखिये
५	बंदी छूटै है सीघ्र निर्चय
६	औषद खाये रोग जायगो अ
७	गाउ गाये ते प्राप्ति होइगी न ली
८	घर स्त्री करे लाज हे की जे
९	जुवा न खेलो हारोगे
१०	परचे ते जन्म सिधि है सेवन कीजे

३ बेरुबत्त ३

१	जोवानषेलो हो रोगे विष्ठेवीस	२०
२	औषधिकिये सुख नहि मतिकरो	
३	धरो हरि निर्फल है सासोउ देग	
४	पानिऊोल है पाछै आवे गो अवस्य	
५	बैर आपने मनको है चिंता नही	
६	उधार दिये ते दूटनि होइगी	
७	स्त्रीनले हूनिरफल है	
८	गायगये ते कार्यसिद्धि है जेये	
९	प्रवयजिन करो फलनहि	
१०	बंदि बंदि ते छुटे सीघ्र सुख होइ	

४ राजा सगर ४

१	घर स्त्री कीजे सुष पावे जे
२	जुवा षेलै जीतो तुरु अवस्य
३	पानी विस्वा१ आवेगो छमासो
४	धरो हरिलिये तु देगहै है बिस्वे २०
५	औषध लिये भली है षावो
६	परदेस जैये निर्चय कार्यसिद्धि
७	या वेरीते भय नही चिंता न करो
८	या प्र चपते फल प्राप्ति है
९	बंदी छूटे गो धन षर्चे ते
१०	उधारो दिये फल है है दीजे

५ सोमकेतु

१	जाउगयेतैउहै गहाइनजादु
२	उधारमत्तिदेहु नीरफलछै
३	सुवानषेलो कछु है नही
४	बंदीछुटैगो [illegible] डैरोमत्ति
५	धरौहरिमेल्लो पावेगो संसै
६	पानीआवैगो कार्यहोयगो
७	प्रचैतैडरोमति स्जाकीयो
८	औषदनलेहु लगेहैनहि
९	बैरीसुक्षमहैडरोमति
१०	घरस्त्रीतेसुबहोयजो

६ चागीरथ

१	परचेतै सुफल प्राप्ति होयगी
२	घरस्त्री तै पुत्र फल होय अवस्य
३	बेर आदि [illegible]त करो भलो नही है उरो
४	जुवामे हार जीत सरबारि है
५	पानि आ वैसी घ्राचि ता न करो
६	धरोहरि राजदंड होयगो धरो मत्ति
७	उधार दियेतै कछु हाथ चढैगो
८	बंदी बंदि तै छुटै परंतु बैरी बढु त
९	गाव गये तै सजन संतोष पावैजा
१०	औषध लिये रोग जाय गो रहै नही

॥ ७ राजा नरवाहन

१	वंदिछुटे घरं तु वहु तत दिनन मे
२	गाव मति जाहु उदास चिंत कै है
३	या स्त्री ते सुष पावे गे निश्चै कर
४	औषद न लेहु निफल छै गे
५	जुवा जोगिनी पीठी दे षेलो जीतो
६	परचेते सुफल है सेवा की जोगिनी के
७	धरो फिर ते विरोध है कठीन है
८	पानी आवे प्रापत संतो सहायगो
९	उधारा न दे हु कल ह होय सब के
१०	वैरी प्रवल है आपु कों राषो डेरो

८ राजारोहिताश्व

१	वैर मत कीजो यो साहसी कलो
२	परचे करो माति भयप्राप्ति है है
३	वैरि छुटै गा शंशे मति करो
४	घरस्त्री करो गे तो उद्वेग होयगो
५	उधार दिये ते सुफल प्राप्ति होइगी
६	जुवा जिन षेलो हानि होयगी
७	पानि वेजि जावे थोरे लाभ है कार्य
८	घरो हर पावेगी बहोत दिनन निर्भय
९	औषद जिन करो रोग व्यापेगो
१०	गाव जिन जा दुशंशाय व्यापेगो

९ राजाचंद्र दहि

१	औषद खाये सुख होय व्याधा जाय
२	बंदि छुटैगो सीघ्र नि:संदेह
३	परचे तै कान म्मा हूर्ण ह्वै है मीम्रे
४	परदेस जात ते रा खो चल्लो नही है
५	घर स्त्री करो परम षेम है आनंद
६	वैर जिन करो संताप पावेगो
७	जुवा खेलो उत्तर मुख जीतोगे
८	उधारो जिन देउ दुख पावोगे
९	धरो हरि धरो राज बचा हो ज बलि लै
१०	पानि आवै सुफल प्राप्ति सीघ्र

१० राजा हरिश्चंद्र

१	उधार दिये लीजत है दीजे निके
२	बैर किये चलो नही करो मती
३	औषद लीजे सुष समादि निके
४	प्रचेतै दु:ष पावोगे करो मती
५	गाउ न जो क्रु दुष पावोगे रहो
६	घर स्त्री करो कुसल होइगी
७	बंदि छुटैगो कछु दिन मैं
८	जुवा मति षेलो निफल है हारोगे
९	यानी मार्गी मैं छि मासो आइ है
१०	धरोहरि लिये लीजत है अवस्य के

॥ पुलह क्रतु ॥

१	उरगै तै लाभ नक्षत्र वारो सो है
२	पाभय ते आपुराषियो उद्वेग है
३	घोरा लीये तै आग्नि जलि
४	धरनो मति करो निर्फल होय
५	वस्तु गइ परवसी है छिपै नही
६	गाउ वसै तै राज [illegible] रहो यगोम [illegible]
७	रोगी को रोग वपो है विसे १
८	वैद्य ल्याये चिंता वढै गी
९	षेति कि जो सुफल होयगि
१०	चोपायो लिये लक्ष्मी प्राप्त हो इगी

१२ अंगिरा रिषि १२

१	या भय का नास्ती निश्चै निसंसे
२	दुरगो कियेते सुफल अवस्य है
३	धरनो कियेते सुफल कै है अवस्य
४	घोरा लयेते चोर भय है और भय न
५	गाव बसे ते चोरी नय है और नय है
६	चौपाया लिये भलो नहि न लेहु मतिव सो
७	वेद मत लन्यावो देह दुख है
८	षेती करो लछमी प्राप्त होइगी
९	रोगी भलो कै है पुन्य कीजिया
१०	वस्तु गइ घर षोजो पावेहुगी निश्चै

१३ अस्वस्यामा १३

१	घोरालियेदामहूटिहैंनलेहु
२	गाबबसेचिंतासासोकुंहेअवसा
३	बुरउकर्मकरियाउबरसैनहीं
४	यान्नयतेआपको राषिसंसेउदेगु
५	षेतिकियेतेस्हहनुबहोतहै
६	रोगीनलोकेंहेपाऊदिनदोबुरहैं
७	बस्तुगइपावेहुसुषसंदेहनही
८	धरनेतेलानहेअवस्यकेरीजो
९	चोपायोलियेतेलानहेथोरासो
१०	बैद्यल्यावहुनिकेहोइगोअवस्यलेहु

१ १४ अगस्तीरीषी १४

१	गाव बसे तो लक्ष्मी आवे सुषसे
२	चोराली ये ते लाभ है सुष पावेगो
३	चौ दिन चारके डरो मति जायगो
४	बुरगते प्राप्त होय गी भली
५	वैद्यल्याबौ संतोष पावोगे निस्चै
६	खेति मति करो निःफल है
७	बो पायो लिये ते लाभ न होइगो
८	वस्तु गइ इस्वर देतो पाइये
९	रोगी भलो है चिंता जी न करो १०
१०	धरनो दिये पावोगे कछु सु घनेइ

॥१॥

अतवार का दीन	अतवार की रात
४ उद्ग वेला	४ सुभ वेला
४ चल वेला	४ अमृत वेला
४ लाभ वेला	४ चल वेला
४ अमृत वेला	४ रोग वेली
४ काल वेला	४ काल वेला
४ सुभ वेला	४ लाभ वेला
४ रोग वेला	४ उद्ग वेला
४ उद्ग वेला	४ सुभ वेला

सोमवार का दीन	सोमवार की रात
४ अमृत वेला	४ चल वेला
४ काल वेला	४ रोग वेला
४ सुभ वेला	४ काल वेला
४ रोग वेला	४ लाभ वेला
४ उद्ग वेला	४ उद्ग वेला
४ चल वेला	४ सुभ वेला
४ लाभ वेला	४ अमृत वेला

४ अमरत वेला	४ चल वेला
मंगलवार दीन	**मंगलवार रात**
४ रोग वेला	४ काल वेला
४ उदग वेला	४ लाभ वेला
४ चल वेला	४ उदग वेला
४ लाभ वेला	४ सुभ वेली
४ अमरत वेला	४ अमरत वेला
४ काल वेला	४ चल वेला
४ सुभ वेला	४ रोग वेला
४ रोग वेला	४ काल वेली
बुधवार दीन	**बुधवार रात**
४ लाभ वेला	४ उदग वेला
४ अमरत वेला	४ सुभ वेला
४ काल वेली	४ अमरत वेली
४ सुभ वेली	४ चल वेला
४ रोग वेली	४ रोग वेला

४ उदग वेला ४ चल वेला ४ लाभ वेला	४ काल वेला ४ लाभ वेला ४ उदग वेला
वीसपतवार दिहान	**वीसपतवार रात**
४ लाभ वेला ४ अमरत वेला ४ काल वेला ४ सुभ वेला ४ रोग वेला ४ उदग वेला ४ चल वेला ४ लाभ वेला	४ अमरत वेला ४ चल वेला ४ रोग वेला ४ काल वेला ४ लाभ वेला ४ सुभ वेला ४ उदग वेला ४ अमरत वेला
सुकरवार दिहान	**सुकरवार रात**
४ चल वेला ४ लाभ वेला ४ अमरत वेला	४ रोग वेला ४ काल वेला ४ लाभ वेला

४ कालवेला	४ उदगवेला
४ सुभवेला	४ सुभवेला
४ रोगवेला	४ अमारतवेला
४ उदगवेला	४ लाभवेला
४ चलवेला	४ रोगवेला
सनीसरवार दीन:	सनीसरवार रात
४ कालवेला	४ लाभवेला
४ लाभवेला	४ उदगवेला
४ रोगवेला	४ सुभवेला
४ उदगवेला	४ अमारतवेला
४ चलवेला	४ चलवेला
४ लाभवेला	४ रोगवेला
४ अमारतवेला	४ कालवेला
४ कालवेला	४ लाभवेला

सातारा म जी:व तरारुन द्वाय का: अज
सनकौ:जाद नास का:

१५ प्रहलाद १५

१	धर्मो यिन करो निर्फ कै है
२	गाव से चोरि भय हु है है निर्भय
३	चौपो न लोक हा निहु है
४	वे घल्याये रे ग च ढे ओ ल्यावे
५	बुरग इ ल मा स छ ह मे जेलो
६	या न य ते डर है आपके राख
७	वे ति कियेराज दंड है है बडो
८	रोगी न लोक हैं दि बी रजो
९	वस्तु गइ पावे जी व हो तो है न
१०	घोरो लिये प्राप्ति कछु होयग

३
२

मत
है
यो
नभे

१६ वलिनाथ ५६

१	बैद्य नल्या बहु संसे होयगो
२	रोगी भलो हुहै हेमा करो
३	बस्तु गई पावेहु गेघर मैं ढूंढो
४	जाउ बसे सो तो सुपावेगे बहोत
५	याजयते डर नही जिन डरो
६	बुरगे ते लाज थोरो है मतिरहो
७	धरमो हिये ते बैर बहान हुहै
८	चौपाया लीजो चलो लाहन हुहै
९	घोरा स्त्री जो पैसा होइ स्त्री नहै
१०	खेति कीजो आवस्य फल है

राम चंद्र

१) भगवान् १)

१ रोगी अछो है है दिन ६ में ०

२ घर नौ किये उधार प्राप्ति होइगी

३ चौपायो लिये चोरा कि भय है है

४ खेति किये लाभ थोरो है हैगो

५ घोरा लिये राजरें उ है है

६ बस्तु गइ एक बिस्वे हि पावैगी

७ बुरगे तै प्राप्ति होइगि भली

८ या भय तै आपको राखनो संशो है

९ बैद्यल्या वडु फल प्राप्ति है

१० गाबसे जस प्राप्ति है भली

१८ मारिच १८

१	चोपा लिये ला नप्राप्ति है लेतु
२	बैद्य जिन लयावो दिन थोरो कस्ट है
३	खेति करे न लो उपजैगो संसो बसो
४	बस्तु गइ बाहुरैगी संसो सो है
५	रोगी अथाह कस्ट है बिम्पे रहै
६	घोरो लिये निरफल है लेकु मती
७	या नय ते चिंता मति करो उस नही
८	उरगो ते लान होयगो निस्चै करी
९	जाउ बसे ते अगि लाइ होयगी
१०	घर नौ किये ते कफुला नप्राप्ति हाइ

१९ बसिएरिषे १९

१	बस्तुगइपावे सुषसं तौषसो
२	बेलि करो चलिउपजैगि निछ्रै
३	बैद्यल्याइये रोगी चलो होयगो
४	रोगीकी देह कहै सेवाकाजो
५	चौपायो लियेलह नुहै है
६	धरनोकीयेते कछुहाथचढैगोथोरा
७	गावबसे ते सुषसंतोषपावे
८	घोरा लियेते लाचलहिनिछ्रैव
९	कुरगते संतो षहोइचिंतानही
१०	या नयते कार्य सुफलहै है

२० उलत्ति रिवी २०

१	ठौ ली की पिपो सुष संतोष है
२	वस्तु गइ है सो घर के भेद पावोगे
३	रोगी की अल्प नारी है पुराय करो
४	चौ पार्थौ लिये दुषपावोगे
५	धर ने ते लहनो है करो न अवस्य के
६	वेधल्या ये ते सुषप्राप्ति होइगी
७	घोरा न ले दु निरफल है
८	गाव बधू ते लक्ष्मी प्राप्ति होइगी
९	या न्नय की नास्ति है जिन न्नय करो
१०	उर जे ते संतो ष है चिंता मति करो

२१ श्री रामचंद्र जू २१

१	मित्र की जनु लहनु है है
२	आगम दूसरा सो आवैगो शंशो
३	धन लाभ ते प्राप्ति है बहौत जली
४	शंशो मति करो आगे सुष पावोगे
५	नगर को टगये उद्वेग होयगो राह मे
६	घर गये अधिक चिंता बठ रहै है
७	चिंता मति करो सु फल प्राप्ति है
८	अहेरै मत जानु सारली परागे : अवश्य
९	कष्ट पायो है बहौत दिनन को
१०	काम काज घर बैठे होइगो अवश्य

२२ कुम्भकर्ण २२

१	आगम ह्वमा सो अवडेर नही
२	मित्र जिन करो हानि होयगी
३	कछी आछो होइगो बेगि ही
४	धन लाभ के वेरी लागे है सावधान रहो
५	चिंता ते अचिंत लाभ होइ वडो
६	घर जिन जाहु निर्फल है कछुक दिन
७	धंधो छाडि देउ उद्यम करो निश्चै
८	नगर कोट गये आछो फल बांछे है
९	काम काज जे संतोष होयगो कीजो
१०	आहेरे गये ते चिंता उदेग बडो होयगो

२३ लछमण २३

१	कछबेगिहीजा यगोपुण्यकरो
२	ओहेरगयेडुखपावोगेपावोम ति
३	मित्रकरहुसुफलहैसुखकेहै
४	आगमन्नमासोआवेगेसीघ्रही
५	चिंतामतिकरोचलीप्राप्तिहोइगी
६	कामकाजतेलहनोहैनिश्चेलान
७	नगरकोटगयेतेघोरालाभहै
८	धनलाभतेलाभहैअवस्य
९	घरतेनाजेरहियाउरबडोहैनिश्चै
१०	संसेनाहिनिर्फलहैअवस्यके

२४ सुग्रीव २४

१	अहेरे मति जाकु जिवकु डरहैबडो
२	कष्ट बडो है मास १ पुण्य करो
३	आगमपाते आगे [illegible] भलो आवेगो
४	मित्र करो हलहनु होयगो निश्चै
५	कामकाजकी येसंतोष हे
६	नगरको २ उपेजा वासु फल है
७	घरगये लहनु है जाइयो अवस
८	चिंता जिन करो अचिंत हे
९	संशो मति करो सूक्ष्म हे डर नहि
१०	धनलाभ होय सुखसो अवस्य

२५ जावबान २६

अं.	
१	संशो कि ये मन मे उरे ग है व होत
२	धन लाभ मे चोर व होत है आपरा धा
३	अहेरे गये चोर उठे गे उपाची होयगी
४	कष्ट व होत है शिव पूजा करो
५	मित्र जि न करो स्नेह नु नाही
६	आगम अब ही बेग ही नलोहू है
७	काम काज ते अर्थ हाथ चढे सुख सो
८	घर गये वैरी सो लडाई होयगी
९	नगर कोट गये सुफल जात्रा होइ
१०	चिंता जि न करो लाभ है निश्चय

१	धन लाभ न आपराधि योकछु कहिं न
२	नगर कोट गये सैं तोष होयगो
३	संसो जिन करो निर्फल है भवस्य
४	अहेरे मत जाहु निर्फल है
५	आगम याते कछु नहीं आवैगो
६	मित्र अपनो स्वारथ होयगो करो
७	कछु बैगि ही जायगो पुण्य बहुतसा
८	कामकाज सुष संतोष लहनो है
९	चिंता जायगी दीन दिन श्राम आवे
१०	घर गये तब होत सुष पावोगे

हीरस कीत
तरसी हा

७ नील २)

१३	१६	१५	६
१८	७	१२	२१
५	२२	१८	२०
१४	१०	८	२०

१	नगरकोटगयेसुफल
२	घरगयेतेसुखहोयगोनिश्चै
३	चिंताघनिहैडरपोमति
४	कामकाजतेआपकोराखियो
५	शंसोमतिकरोनिर्भयनिश्चै
६	अहेरेगयेतेहाथचढैकछुनसुखहोइ
७	मित्रकरोलहनोहैअवस्य
८	आगमनमहीनादमेभलोआयहै
९	धनलीजतेलाभजननहिसंशोउदेगोहै
१०	कष्टनीकोहैहैसीघ्रपुरसपसो

२८ अंगर २८

१	घर जावो सुष पावो ग ब होत
२	संसो कछु नही जिन उरो सुषसों
३	काम घर बैठे होइगो सुषसो
४	चिंता उदेग होइ वैरी चो तवे करे
५	धन लाचते अर्थ प्राप्ति नली है
६	कष्ट बडो है नवग्रह दान करो
७	आगम छमासो भलो आवे को
८	मित्र किये ते हानि संसो होइगो
९	अहेरे प्राप्ति होइगी नली आछु
१०	नगरकोट गये ते देबी प्रसन्न होइ

२९ हनुमानू २९

१	चिंताउद्देग है सो गुनतरहीयो
२	कामकाजते चलो न हीकरोमती
३	घरगयेते बैरीबीच मे मीले
४	नगरकोट गयेडरबडो है आपोराखो
५	आहेरै मतजाऊ कालीपरो गे
६	संशो है चोरी चयलानि बिघ्न होइ
७	धनलाभते प्राप्ति होयगे जतनसो
८	कष्टकर्म जो है पुरुषकरो रहजाय
९	मित्रानि फल है पतियाउ जीन
१०	आगमआवेछै मासोनि श्चेय

३० रावण ३०

१	कामकाज मति जाकु इहाते नीर्फल है
२	चिंता न करो संशो नही है
३	नगर को रगाये बिनास होयगो
४	घर जाये ते सुफल प्राप्ती होइगी
५	कष्ट हे दुचिंता मति होइ
६	धन लाभ मे बेरी है बहोत आपको राषियो
७	ग्रहे रैजी न जाकु निर्फल है
८	शंशो जिन करो सुषहोयगो बडो
९	आगम यते अर्धआवेगो
१०	मित्र जिन करो निर्फल है इ षो

ती

३१ शत्रुघ्न ३१

१	चोरि बहुत दिन न सो पावोगे
२	ब्योपार ते बिनास होइ लाभ नही
३	विद्या पावोगे गुरु सेव न करो
४	ऊगरो मति करो शंसो उद्वेग
५	जात्रा जिन करो डर बहोत होयगो
६	राजा राज पावोगे धर्म करी के अवश्य
७	अर्थ याते अचिंत प्राप्ति होइ धीजेते
८	तीर्थ किये भलो है छेम सों आवोगे
९	बिवाह अचित होय संशो मति करो
१०	संतति बेटा होइ बडो भाग्यवान्

३२ सहस्त्रार्जुन ३२

१	ब्यौपार कपरे न ते लाह नौ होइ = प्रचरप
२	चोरी गये दुख पावोगे सो सो होयगो
३	झगरो मति आगे न हो जीतोगे
४	विद्या पावोगे घर बैठे अभ्यास कीजो
५	बिवाह घर बैठे होय चिंता न करो
६	अरथ बहुत लाभ होय धर्म सो
७	जाआ पंथ जिन जाहु उरनय होयगो
८	राजा राज पावोगे कछु दिन बिते
९	संतति बेटी होय तीरथ कीजे
१०	तीरथ गये हानि है जिन जाइये

३३ बासुदेव ३३

१	झगरो किये लागो है कीजो
२	विद्या न पढे संकोच पडे। जोनी
३	चोरी ऐसी बुरी है रोइ है बहोत
४	ब्यापार जिन करो टोटो परैगो
५	तीरथ जीन जाहु पाछे उदेग होपगो
६	विवाह कियें कछु उदेग होइगो
७	राजा राजयावो नवानी की सेवा कीजो
८	संतति दुशरो विवाह किये ते होय
९	जात्रा पूज्य कै आवे सुखसौ।
१०	आर्य चिंत्त फल पावैगे सुखसौ।

३४ राजा युधिष्ठिर ३४

१ विद्या जिन ले आउ संशो होय गो

२ झगरा कीये कछु प्राप्ति होयगी

३ व्योपार ते लाभ है निश्चे सो

४ चोरी गये वस्तु पावोगे परचते

५ अर्थ प्राप्ति होइगी नलीउ एय की

६ संतति बेटी होयगी सही हूजे सब

७ तीरथ जात्रा सुख सो सुफल करिआ

८ जात्रा कीजो लाभ सुख व्योपार को

९ राजा राज पावो नहि आसामती करो

१० विवाह होय स्त्री को सेवोगे

३५ अर्जुन ३५

१	तीर्थ जाउ संतोष बहोत होवेगो
२	जात्रा किये सुष सो प्राप्ति होयगी
३	राजा राज पावे [illegible]व रू जो करि कै निश्चै
४	अर्थ ते प्राप्ति है कीजिये अवश्य
५	चोरी कीये ते संशो होयगो बहोत
६	व्योपार किये ते अर्थ प्राप्ति होइ
७	संतति होयगी अपनो कुल उधार
८	विवाह होयगो निश्चै श्रेष्ठ घर
९	झगरो किये प्राप्ति होइगी
१०	विद्या पढे कछु पावेगो बहोत सो

३६ भीमसेन ३६

१	विवाह घर बैठे होइ शंसो नही
२	अर्थ इश्वर किसेवाते पावे निश्चै
३	जा जा मारग सो होय भली प्राप्ति
४	संतति होइगी सीव व्रत किजे
५	व्यापार भति की जे उद्वेग होय
६	चोरी गये वहोत दीनन मै पावो
७	झगरो किये जातो गे अवश्य कै
८	विद्या पाइये जी ये आदि सौ चिंता है
९	तिर्थ ते लक्ष्मी प्राप्ति के है भली
१०	राजा सिवपूजी ते राज्य पावोगे

३७ गुरुदेव ३७

१	अर्थलाभ चिंता होइ बहोत करि
२	विवाह कीये संशो है लाभ नही
३	संतति फल बिरधो जीवे पुण्य करे
४	जात्रा कीये लाभ होइ अवस्य करी
५	राजा राज पावो देवी सेवा कीजे
६	तीर्थ किये सुखसे ति आवे अवस्य करी
७	चोरी जीन जीवो निर्फल है ॥
८	व्योपार ते निश्चे फल होयगा
९	बिद्या फल पे गणेश सेवा कीजो
१०	रोग रोकरेक छुट जाय पच दैगो

३८ नेकुल ३८ श्रीराम [illegible]

१	राजाओरा जे पावै [illegible]र बैठै अवश्य
२	संतति बेटि होइ भली भागपवंत
३	बिवाह किये ते पाव चोट आवै
४	तीर्थ गये भली प्राप्ति होइ जातु
५	विद्या पावोगे जीव मैइ ह संशो
६	झगरो निवरे कछु हाथ चढैगो
७	व्यापार ते वडो लाभ होयगो
८	चोरी पावो पै संशो वडो होइ
९	अर्थ ते लक्ष्मी प्राप्ति होइ अवश्य
१०	जाआगये ते लाभ होय निश्चय

३९ ॥ गोप ३९

१	संतति बेटा होइ भाग्यवान
२	राजा राज पावै कछु दिनन मे
३	तिर्र्थ करि कुशल शो आवै
४	विवाह यह जिन करो नीफल है
५	झगरो जिन करो निर्फल है
६	आशा सुफल सौ करि आवोगे
७	विद्या पावोगे गुरु सेवा करो
८	अर्थ अचिंत प्राप्ति होइ भलो
९	चोरी मति करो निर्फल होइ
१०	व्यापार ते लह नो घोरो ही है

४० राजानल ४०

१	आत्रागये सुफल होइ अवश्य
२	तिर्थ मति जावो अग्नि है है
३	अर्थ लीये वाट मे हुस्पार जाइयो
४	राज्ञ राज पावे कष्ट वहोत दिनन मे
५	संतति कन्या होय जाग्य वंती
६	विद्या पावे जे पसे वनै सो
७	विवाह किये संतोष पावोगे कीजे
८	रुजगार किये कछु पावोगे निश्चै
९	व्योपार ते लाभ होइ करियो
१०	चोरी पावो जे सोधो कीजो

॥ इति शकुनावलि संपूर्ण ॥

इति श्री सतगुरु गीता संपूर्णः ॥ चौर
पोथि लाला गंगा दास की लीखी
र जावते गंज मे ॥ लीखतं म व्यास
गेगराज साधापुर का लीखी
मीती आसोज बदि २ चगुबा
सरे ॥ संवत् १८२७ संनेहीज
री ॥ चरे राज गऋालि गेहर पात
स्याह का बेटा ॥ पोथी लीखी जा
वते गंज मे ॥ श्री रस्तु ॥ बुधि रस्तु ॥
जेहछरं पदं चुके ॥ मात्रा हीनं जे दिर
चवेत ॥ तद् क्षंतो छमतां देहं ॥ प्रसीद प
रमेस्वर ॥ श्री राम जी सहाइ ॥ श्री र स्तु